PRELIMINARY EXAM - 2023

Std: XII
Time : 3 hrs

Hindi

Mark: 80

कृतिपत्रिका

कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :

(1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग कीजिए।

(3) आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।

(4) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

विभाग – 1. गद्य (अंक–20)

कृति 1 (अ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए: (6)

एक अच्छी सहेली के नाते तुम उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करो। अगर लगे कि वह अपने परिवार से कटी हुई है तो उसकी इस टूटी कड़ी को जोड़ने का प्रयास करो। जैसे तुम मुझे पत्र लिखती हो, उससे भी कहो; वह अपनी माँ को पत्र लिखे। अपने घर की, भाई-बहनों की बातों में रुचि लें। अपनी समस्याओं पर माँ से खुलकर बात करें और उनसे सलाह लें। यदि उसकी माँ इस योग्य न हो तो वह अपनी बड़ी बहन या भाभी से भी बातचीत का सिलसिला जोड़कर वह अपनी समस्या से अकेले जूझने से निजात पा सकती है। नहीं तो तुम तो हो ही। ऐसे समय वह तुम्हारी बात न सुने, तुम्हें झटक दे, तब भी उसकी वर्तमान मनोदशा देखकर तुम्हें उसकी बात का बुरा नहीं मानना है। उसका मूड देखकर उसका मन टटोलो और उसे प्यार से समझाओ।

एक शुभचिंतक सहेली के नाते ऐसे समय तुम्हें उसे इसलिए अकेला नहीं छोड़ देना है कि वह तुम्हारी बात नहीं सुनती या तुम्हारी बात का बुरा मानती है। तुम साथ छोड़ दोगी तो वह और टूट जाएगी। अकेली पड़कर वह उधर ही जाने के लिए कदम बढ़ा लेगी, जिधर जाने से तुम उसे रोकना चाहती हो। यहीं पर तुम्हारे धैर्य और संयम की परीक्षा है।

(1) कृति पूर्ण कीजिए: (2)

सुगंधा की सहेली को यह करना चाहिए :

(i) →

(ii) →

(iii) →

(iv) →

(2) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (2)

(i) कोशिश →

(ii) छुटकारा →

(iii) सखी →

(iv) प्रेम →

(3) 'भाई-बहन का रिश्ता अनूठा होता है' इस विषय पर 40 से 50 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

कृति 1 (आ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (6)

इन्हीं विचारों में डूबा हुआ बच्चा देर तक रोता रहा। इतने में खड़ाऊँ पहने हुए, हाथ में माला लिए हुए, रामनाम का जप करते हुए बाबा हरिदास कुटिया के अंदर आए और बोले – ''बेटा! शांति करो। शांति करो।''

बैजू उठा और हरिदास जी के चरणों से लिपट गया। वह बिलख- बिलखकर रोता था और कहता था– ''महाराज! मेरे साथ अन्याय हुआ है। मुझपर वज्र गिरा है। मेरा संसार उजड़ गया है। मैं क्या करूँ? मैं क्या करूँ?''

हरिदास बोले- ''शांति, शांति।''

बैजू - ''महाराज! तानसेन ने मुझे तबाह कर दिया! उसने मेरा संसार सुना कर दिया।''

''हरिदास - शांति, शांति।''

बैजू ने हरिदास के चरणों से और भी लिपटकर कहा- ''महाराज ! शांति जा चुकी। अब मुझे बदले की भूखै। अब मुझे प्रतिकार की प्यास है। मेरी प्यास बुझाइए।''

हरिदास ने फिर कहा- ''बेटा! शांति, शांति।''

बैजू ने करूणा और क्रोध की आँखों से बाबा जी की तरफ देखा। उन आँखों में आँसू थे और आहें थीं और आग थी। जो काम जबान नहीं कर सकती, उसे आँखें कर देती हैं, और जो काम आँखें भी नहीं कर सकतीं उसे आँखों के आँसू कर देते हैं । बैजू ने ये दो आखिरी हथियार चलाए और सिर झुकाकर खड़ा हो गया।

हरिदास के धीरज की दीवार आँसुओं की बौछार न सह सकी और काँपकर गिर गई। उन्होंने बैजू को उठाकर गले से लगाया और कहा- ''मैं तुझे वह हथियार दूँगा, जिससे तू अपने पिता की मौत का बदला ले सकेगा।''

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: (2)

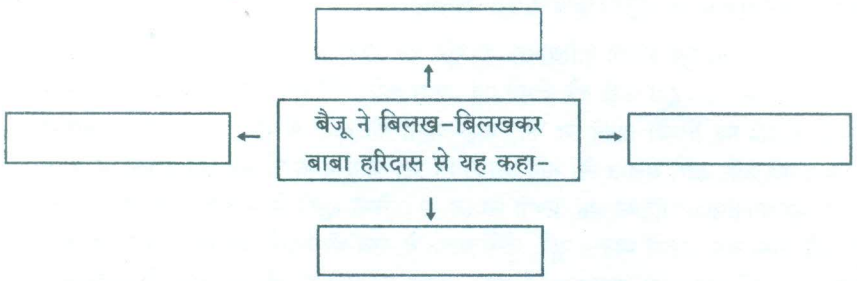

(2) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (2)

(1) दुनिया →

(2) पाँव →

(3) बरबाद →

(4) अंतिम →

(3) ''गुरु के बिना ज्ञान नहीं मिलता'' इस कथन के संबंध में अपने विचार 40 से 50 शब्दों में लिखिए। (2)

कृति 1 (इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 से 100 शब्दों में लिखिए (कोई दो): (6)

(1) 'आदर्श बदला' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(2) 'पाप के चार हथियार' निबंध का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(3) 'क्लोरो फ्लोरो कार्बन (सी.एफ.सी.) नामक यौगिक की खोज प्रशीतन केक्षेत्र में क्रांतिकारी उपलब्धि रही।' स्पष्ट कीजिए।

(ई) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो) : (2)

(1) सुदर्शन जी का मूल नाम लिखिए।

(2) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी के निबंध संग्रहों के नाम लिखिए।

(3) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी की भाषाशैली।

(4) आशारानी व्होरा जी के लेखन कार्य का प्रमुख उद्देश्य लिखिए।

विभाग - 2. पद्य (अंक-20)

कृति 2 (अ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (6)

तुमने विश्वास दिया है मुझको,
मन का उच्छ्वास दिया है मुझको।
मैं इसे भूमि पर सँभालूँगा,
तुमने आकाश दिया है मुझको।

सूत्र यह तोड़ नहीं सकते हैं,
तोड़कर जोड़ नहीं सकते हैं।
व्योम में जाएँ, कहीं भी उड़ जाएँ,
भूमि को छोड़ नहीं सकते हैं।

सत्य है, राह में अंधेरा है,
रोक देने के लिए घेरा है।
काम भी और तुम करोगे क्या,
बढ़ चलो, सामने अँधेरा है।

(1) कृति पूर्ण कीजिए: (2)

(i) मुझको दिया है → [ ] [ ]

(ii) यह तोड़ नहीं सकते हैं / यह छोड़ नहीं सकते हैं → [ ] [ ]

(2) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में आए हुए विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (2)

(i) अविश्वास →
(ii) जोड़ →
(iii) असत्य →
(iv) उजाला →

(3) 'आत्मविश्वास ही मनुष्य की सफलता की कुँजी है' इस कथन के बारे में अपने विचार 40 से 50 शब्दों में लिखिए। (2)

कृति 2 (आ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (6)

जो पावै अति उच्च पद, ताको पतन निदान।
ज्यौं तपि-तपि मध्याहन लौं, अस्त होतु है भान।।
जो जाको गुन जान ही, सो तिहि आदर देत।
कोकिल अंबहि लेत है, काग निबौरी लेत।।
आप अकारज आपनो, करत कुबुध के साथ।
पाय कुल्हाडी आपने, मारत मूरख हाथ ।।
कुल कपूत जान्यो परै, लखि सुभ लच्छन गात।
होनहार बिरवान के, होत चीकने पात।।

(1) कारण लिखिए : (2)

(i) अविवेक के साथ किया गया कार्य स्वयं के लिए हानिकर सिद्ध होता है-
(ii) कोयल को आम और कौए को निबौरी मिलती है

(2) निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग लगाकर नया शब्द तैयार कीजिए: (2)

(i) पूत →
(ii) बुध →
(iii) कारज →
(iv) आदर →

(3) 'ज्ञान की पूँजी बढ़ानी चाहिए' इस विषय पर 40 से 50 शब्दों में अपने विचार लिखिए।: (2)

(इ) **निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'पेड़ होने का अर्थ' कविता का रसास्वादन कीजिए :** (6)

(1) रचनाकार का नाम (1)

(2) पसंद की पंक्तियाँ (1)

(3) पसंद आने के कारण (2)

(4) कविता का केंद्रीय भाव (2)

अथवा

'गुरुनिष्ठा और भक्तिभाव से ही मानव श्रेष्ठ बनता है' इस कथन के आधार पर 'गुरुबानी' कविता का रसास्वादन कीजिए।

(ई) **निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का केवल एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो) :** (2)

(1) त्रिलोचन जी के कोई दो काव्य संग्रहों के नाम लिखिए।

(2) दोहा छंद की विशेषता बताइए।

(3) गुरुनानक जी की भाषाशैली की कोई एक विशेषता लिखिए।

(4) डॉ. मुकेश गौतम जी की किसी एक रचना का नाम लिखिए।

(3) विशेष अध्ययन

कृति 3 (अ) निम्नलिखित काव्य पंक्तियाँ पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए: (6)

कर्म, स्वधर्म, निर्णय, दायित्व,
शब्द, शब्द, शब्द .....
मेरे लिए नितांत अर्थहीन हैं
मैं इन सबके परे अपलक तुम्हें देख रही हूँ
हर शब्द को अँजुरी बनाकर
बूँद-बूँद तुम्हें पी रही हूँ
और तुम्हारा तेज
मेरे जिस्म के एक-एक मूर्च्छित संवेदन को धधका रहा है
और तुम्हारे जादू भरे होठों से
रजनीगंधा के फूलों की तरह टप-टप शब्द झर रहे हैं
एक के बाद एक के बाद एक .....
कर्म, स्वधर्म, निर्णय, दायित्व
मुझ तक आते-आते सब बदल गए हैं

(1) **कृति पूर्ण कीजिए :** (2)

कनुप्रिया के लिए कनु के अर्थहीन शब्द
↓

(i) .....

(ii) .....

(iii) .....

(iv) .....

(2) **उपर्युक्त पद्यांश में आए हुए शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए :** (2)

(i) .....

(ii) .....

(iii) .....

(iv) .....

(3) 'व्यक्ति को कर्मप्रधान होना चाहिए' इस विषय पर अपने विचार 40 से 50 शब्दों में लिखिए। (2)

कृति 3 (आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर 80 से 100 शब्दों में लिखिए : (4)

(1) राधा की दृष्टि से जीवन की सार्थकता बताइए।

(2) 'कवि ने राधा के माध्यम से आधुनिक मानव की व्यथा को शब्दबद्ध किया है', इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

विभाग – 4. व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश और पारिभाषिक शब्दावली (अंक – 20)

कृति 4 (अ) निम्नलिखित का उत्तर लगभग 100 से 120 शब्दों में लिखिए : (6)

(1) नेता द्वारा किए गए चुनाव प्रचार के दौरान चुनावी वचनों पर फीचर लेखन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित संवाद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए:

रिदिम : सर, पल्लवन में क्या विचार के साथ-साथ भाषा विस्तार पर भी ध्यान देना होता है?

अध्यापक : हाँ, बिलकुल सही प्रश्न पूछा! मैं इस पर आ ही रहा था। वैसे भी भाषा का विस्तार करना एक कला है। इसके लिए भाषा के ज्ञान के अलावा विश्लेषण, संश्लेषण, तार्किक क्षमता के साथ-साथ अभिव्यक्तिगत कौशल की आवश्यकता होती है। इसमें भी आख्याता के प्रत्येक अंश को विषयवस्तु की गरिमा के अनुकूल विस्तारित करना होता है। भाव विस्तार को भी पल्लवन कहा जाता है।

तन्वी : सर जी, क्या पल्लवन में भाव विस्तार के साथ-साथ चिंतन भी होता है?

अध्यापक : अच्छा प्रश्न पूछा तुमने पल्लवन में भाव विस्तार के साथ चिंतन का स्थान भी महत्त्वपूर्ण होता है। संसार में जितने महान चिंतक, साहित्यिक विचारक हैं; उनके गहन चिंतन के क्षणों में जिन विचारों और अनुभूतियों का जन्म होता है; उसमें सूत्रात्मकता आ जाती है। सरसरी दृष्टि से पढ़ने पर उसका सामान्य अर्थ ही समझ में आता है, किंतु उसके सम्यक अर्थबोध एवं अर्थ विस्तार को समझने के लिए हमें उसकी गहराई में उतरना पड़ता है। ज्यों-ज्यों हम उस गंभीर भाववाले वाक्यखंड, वाक्य या वाक्य समूह में गोता लगाते हैं, त्यों-त्यों हम उसके मर्मस्पर्शी भावों को समझने लगते हैं। अर्थात् छोटे-छोटे वाक्यों या वाक्य खंडों में बंद विचारों को खोल देना, फैला देना, विस्तृत कर देना ही पल्लवन है।

(1) **संजाल पूर्ण कीजिए:** (2)

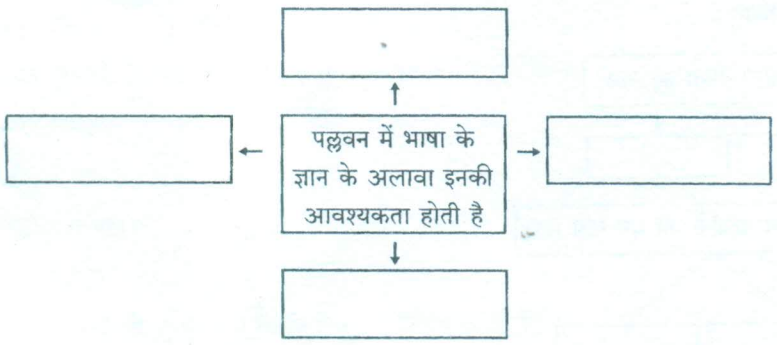

(2) **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए :** (2)

(i) अच्छा →

(ii) बच्चा →

(iii) कहानी →

(iv) कला →

(3) 'संघर्ष करनेवाला ही जीवन का लक्ष्य प्राप्त करता है।' इस विषय पर 40 से 50 शब्दों में अपने विचार स्पष्ट कीजिए। (2)

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर 80 से 100 शब्दों में लिखिए : (4)

(1) सूत्र संचालन के विविध प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

(2) ब्लॉग लेखन से तात्पर्य लिखिए।

अथवा

सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए :

(1) पल्लवन : विवेक, बुद्धि और ज्ञान मानव की ..... संपदा है। (1)

(i) शारीरिक (ii) सामाजिक

(iii) बौद्धिक (iv) आर्थिक

(2) स्नेहा ने..... के पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश लिया। (1)

(i) चित्रकारिता (ii) पत्रकारिता

(iii) संगणक (iv) अभिनय

(3) कार्यक्रम की सफलता ..... के हाथ में होती है। (1)

(i) सूत्र संचालक (ii) वक्ता

(iii) श्रोताओं (iv) दर्शकों

(4) आलेख (ब्लॉग) लेखन में इस बात का ध्यान रखना पड़ता है कि उसमें ..... भाषा का प्रयोग हो। (1)

(i) विख्यात (ii) क्लिष्ट

(iii) आक्रामक (iv) मानक

(इ) अपठित गद्यांश पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (6)

''सुधा की माता तंगम और पिता के.डी. चन्द्रन को शास्त्रीय नृत्य विशेष लगाव था। उनकी हार्दिक इच्छा थी कि इकलौती संतान एक महान नर्तकी बने। इसीलिए वे केवल पाँच वर्ष की आयु में सुधा को बंबई के नृत्य विद्यालय 'कला सदन' में ले गए। वहाँ पर पहले तो गुरुओं ने आपत्ति जाहिर की कि सुधा की आयु अभी बहुत कम है। किंतु जब सुधा ने उनके द्वारा बताए गए मूल पद चारण को बड़ी कुशलता से नृत्य मुद्रा में दोहरा दिया तो वे नरम पड़ गए। उसे कला सदन में मिल गया।

स्पष्ट है कि सुधा में नृत्य की प्रतिभा जन्मजात थी। वह शीघ्र ही के.एस. रामस्वामी भागवतार की सबसे प्रिय शिष्य बन गई, जो कला सदन में ही नृत्य गुरु थे। सुधा का अरंगेत्रम 1972 में हुआ। उसके बाद कुछ ही वर्षों में पश्चिम भारत तथा दक्षिण भारत के कुछ भागों में उसके नृत्य प्रदर्शनों की धूम मच गई। नृत्य से सुधा को गहरा लगाव था, लेकिन तब उसने यह नहीं सोचा था कि वह इसे पेशे के रूप में अपनाएगी। आख़िर उसकी कॉलेज की शिक्षा अभी पूरी नहीं हुई थी, इसलिए इस बारे में सोचने की जरूरत उस समय थी भी नहीं।

(1) कृति पूर्ण कीजिए :

(1) (1)

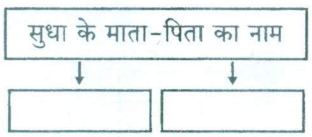

(2) (1)

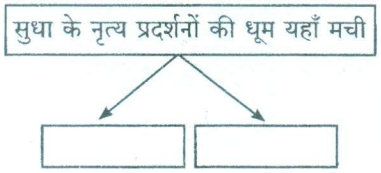

(2) निम्नलिखित शब्दों के लिए समानार्थी शब्द परिच्छेद में से ढूँढ़कर लिखिए: (2)

(1) पढ़ाई →

(2) काल →

(3) व्यवसाय →

(4) संकट →

(3) 'विद्यार्थी जीवन में अध्ययन का महत्त्व असाधारण होता है', इस कथन के संबंध में अपने विचार 40 से 50 शब्दों में लिखिए। (2)

(ई) निम्नलिखित में से किन्हीं चार पारिभाषिक शब्दों के हिन्दी शब्द लिखिए : (4)

(1) Judge (2) Bond (3) Bye-law (4) Pay order

(5) Record (6) Speed (7) Optic fibre (8) Auxiliary memory

विभाग – 5. व्याकरण (अंक – 10)

कृति 5 (अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए (कोई दो) : (2)

(1) इसकी भी मौत आ गई। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(2) कौन मुझे कहानियाँ सुनाता है। (सामान्य भविष्यकाल)

(3) उद्विग्नता और अधीरता से गानयुद्ध के समय की प्रतीक्षा की है। (अपूर्ण भूतकाल)

(4) साँस लेने के लिए स्वच्छ हवा मिलना मुश्किल होता है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(आ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत अलंकारों के नाम पहचानकर लिखिए (कोई दो): (2)

(1) उधो, मेरा हृदयतल था एक उद्यान - न्यारा।
शोभा देतीं अमित उसमें कल्पना-क्यारियाँ भी।।

(2) मोती की लड़ियों से सुंदर, झरते हैं झाग भरे निर्झर।

(3) जान पड़ता है नेत्र देख बड़े-बड़े।
हीरकों में गोल नीलम हैं जड़े।

(4) एक म्यान में दो तलवारें, कभी नहीं रह सकती हैं
किसी और पर प्रेम पति का, नारियाँ नहीं सह सकती हैं।

(इ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उनके नाम लिखिए (कोई दो): (2)

(1) सुड्डुक, सुडुक घाव से पिल्लू (मवाद) निकाल रहा है,
नासिका से श्वेत पदार्थ निकाल रहा है।

(2) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत हैं, नैननु ही सौं बात ।।

(3) माला फेरत जुग भया, गया न मन का फेर।
कर का मनका डारि कैं, मन का मनका फेर ।।

(4) बिनु पग चलै, सुनै बिनु काना।
कर बिनु कर्म करै, विधि नाना ।
आनन रहित सकल रस भोगी।
बिनु वाणी वक्ता, बड़ जोगी ।।

(ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए (कोई दो) : (2)

(1) आँखें बिछाना

(2) मुट्ठी गर्म करना

(3) उल्टी गंगा बहाना

(4) चाँदी काटना

(उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो) : (2)

(1) सत्य की मार्ग सरल हैं।

(2) वर्तमान युग विग्यान और प्राद्योगिकी का युग है।

(3) यह मानव स्वास्थ के लिए हानीकारक होती है।

(4) वह स्वरग का अमरित है।